Roll No. ..... Total Pages : 4

9626

MDE/D–21

आधुनिक हिन्दी काव्य

Paper–IV HI–104

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

1. निम्नलिखित प्रसंगों में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या दीजिए:

(i) ''दूर-दूर तक विस्तृत था हिम स्तब्ध उसी के हृदय-समान,
नीरवता-सी शिला-चरण से टकराता फिरता पवमान।
तरुण तपस्वी-सा वह साधन करता सुर-श्मशान,
नीचे प्रलयसिंधु लहरों का होता था सकरुण अवसान।''

(ii) घिरे रहे थे घुँघराले बाल
अंस अवलंबित मुख के पास,
नील घनशावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास
और उस मुख पर वह मुसकयान!
रक्त किसलय पर ले विश्राम-
अरुण की एक किरण अम्लान
अधिक अलसाई हो अभिराम।।

(iii) फूलों की कोमल पंखड़ियाँ बिखेरें
जिसके अभिनन्दन में,
मकरंद मिलाती हों अपना स्वागत
के कुंकुम चन्दन में!
कोमल किसलय मर्मर-रव-से जिसका
जयघोष सुनाते हों,
जिसमें दु:ख-सुख मिलकर मन के
उत्सव आनंद मनाते हों।।

(iv) सब सभा रही निस्तब्ध, राम के स्तिमित नयन
छोड़ते हुए, शीतल प्रकाश देखते विमन
जैसे ओजस्वी शब्दों का जो था प्रभाव
उससे न इन्हें कुछ चाव, न हो कोई दुराव:
ज्यों हों वे शब्द मात्र,-मैत्री को समनुरक्ति,
पर जहाँ गहन भाव के ग्रहण की नहीं शक्ति।

(v) सोचा है नत को बार-बार, यह हिन्दी का स्नोहोपहार,
यह नहीं हार मेरी भास्वर, यह रत्नहार-लोकोत्तरवर
अन्यथा जहाँ है भाव शुद्ध साहित्य-कला-कौशल-प्रबुद्ध,
हैं दिये हुए मेरे प्रमाण कुछ वहाँ, प्राप्ति को
समाधान-पार्श्व में अन्य रख कुशल-
हस्त गद्य में पद्य में समाभ्यस्त।

(vi) अबे, सुन बे, गुलाब, भूल मत जो पाई खुशबू रंगोआष
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट, डाल पर इतराता है-
केपीटलिस्ट! कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-द्याम! 3×10=30

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन** के उत्तर दीजिए:

(i) पंत काव्य में व्यक्त जीवन-दर्शन को व्यक्त कीजिए।

(ii) पंत की कल्पनाशीलता का सिंहावलोकन कीजिए।

(iii) पंत काव्य यात्रा के विभिन्न सोपान लिखिए।

(iv) पंत की काव्य-भाषा का विवेचन कीजिए।

(v) 'पंत प्रकृति के कुशल चितेरे हैं'–इस कथन को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(vi) पंत की सौंदर्य चेतना को विस्तारपूर्वक लिखिए। (3×9=27)

3. निम्नलिखित लघुतरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए :

(i) हरिवंशराय बच्चन का जीवन-दर्शन।

(ii) हरिवंशराय बच्चन का जीवन-परिचय।

(iii) गिरिजा कुमार माथुर का काव्य 'धूप के धान'।

(iv) गिरिजा कुमार माथुर का जीवन का यथार्थ।

(v) 'हरिऔध' का साहित्य परिचय।

(vi) 'हरिऔध' का 'प्रियन्प्रवास'।

(vii) महादेवी वर्मा 'करुणा की कवयित्री'।

(viii) महादेवी वर्मा की 'नीहार' रचना।

(ix) 'कहे केदार करी करी' में कवि केदार का राजनीतिक दृष्टिकोण।

(x) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य का शिल्प-सौंदर्य।

(5×3=15)

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'कामायनी' का प्रकाशन कब हुआ?

(ii) 'कामायनी' में श्राद्धा कैसी नायिका है?

(iii) 'कामायनी' का प्रधान-रस कौन-सा है?

(iv) निराला किस प्रकार के कवि हैं?

(v) निराला के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(vi) 'चतुरी चमार' निराला की कौन-सी विधा की रचना है?

(vii) पंत का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(viii) पंत की दो काव्य-रचनाओं के नाम लिखिए।

(8×1=8)

———————